Nalanda Open University

M.A. (Economics)
Part – II, Paper – XV
Annual Examination, 2007

Marks: 70 **Time: 3 Hours**

किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर दें । सभी प्रश्नों के अंक समान है ।
Answer any ***five*** Questions. All questions carry equal marks.

1. भारत में ग्रामीण साख के महत्व एवं प्रमुख स्रोतों की विवेचना कीजिए ।
Discuss the importance and main sources of rural credit in India.

2. भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के पुनर्निमाण में पंचायतों के कार्यों एवं भूमिकाओं का उल्लेख कीजिए ।
Discuss the role and function of Panchayats in the reconstruction of the rural economy of India.

3. कृषि के विकास में सहकारिता की भूमिका की समालोचनात्मक समीक्षा कीजिए । भारत में सहकारिता का समुचित प्रगति क्यों नहीं हो रहा है ?
Critically examine the role of co-operatives in agricultural development. Why has not been adequate progress of co-operatives in India.

4. कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए राष्ट्रीय बैंक (नबार्ड) के क्रिया–कलापों का मूल्यांकन कीजिए । क्या आप इसके कार्य से संतुष्ट हैं ?
Evaluate the working of the National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD). Are you satisfied with its performance ?

5. भारत में बाल–श्रमिकों की समस्या की विवेचना कीजिए । उनकी समस्या को हल करने की दिशा में क्या–क्या कदम उठाये गये हैं ?
Discuss the problems of child labour in India. What steps have been taken to solve those problems.

6. भारतीय उद्योगों के प्रबन्ध में श्रमिकों की सहभागिता के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं का परीक्षण कीजिए ।
Examine the various schemes to promote worker's participation in the management of Indian industries.

7. भारत में ग्रामीण औद्योगीकरण की प्रवित्तियों का विवरण दीजिए ।
Give an account of the trends of rural industrialisation in India.

8. भारत में ग्रामीण ऋण के विभिन्न स्रोतों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए ।
Critically examine various sources of rural loan in India.

9. उन कल्याणकारी योजनाओं का विवरण दीजिए जो महिलाओं एवं बच्चों के लिए कार्यरत हैं।
Give an account of those welfare measures which are addressed to women and children.

10. किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :
Write short notes on any two:
   (a) ग्रामीण ऋणग्रस्तता (Rural Indebtedness)
   (b) ग्रामीण क्षेत्रों में पूंजी निर्माण (Capital formation in Rural Areas)
   (c) कपार्ट के उद्योग एवं कार्य (Objectives and functions of CAPART)

****